सांस्कृतिक संध्या में विदेशी विद्यार्थियों ने समां बांधा

वर्धा, 26 सितंबर, 2016; महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा विद्यापीठ के विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में चीन, बेल्जियम, थाईलैण्ड, श्रीलंका आदि देशों के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थितों को खूब रोमांचित किया। अवसर था हबीब तनवीर सभागार में आयोजित नवागंतुक विद्यार्थियों केस्वागत समारोह का।

करीब डेढ़ सौ कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शुरुआत में चीन की छात्राओं ने गुजराती गरबे पर रंगारंग नृत्य प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने अलग-अलग देशी और विदेशी भाषाओं में कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जहां कई भारतीय विद्यार्थियों ने विदेशी भाषा स्पेनिश, चाइनीज़, फ्रेंच और जापानी भाषा में गीत,कविता पाठ एवं शायरी प्रस्तुत की, वहीं विदेशी विद्यार्थियों ने भी हिंदी में कविताएँ प्रस्तुत की। थाईलैंड की छात्रा दवेडनाई मीसवन ने थाईलैंड की संस्कृति से परिचय कराते हुए थाई नृत्य प्रस्तुत किया। इटली की मरिया इलेना कांनु और सारा मेवेघेलो ने हिंदी और इटली भाषा में कविताओं का पाठ किया। बेल्जियम की छात्रा सारा वौटर्स और इनह वर्सिघल ने भी बेल्जियम की संस्कृति से रू-ब-रू करवाते हुए हिंदी में कविता प्रस्तुत किए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारत सहित कई देशों की संस्कृति की झलक देखकर लोगों ने खूब वाहवाही की। गौरतलब है कि विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र में चीनी, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी और अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी की पढ़ाई होती है। केंद्र के भारतीय व विदेशी विद्यार्थियों ने फैशन शो, डांस ड्रामा, गीत शायरी प्रस्तुत किए। सद्दाम हुसैन के कला ने खूब तालियां बटोरी। विद्यार्थियों ने हिंदी, आसामी, पंजाबी, गुजराती, बंगला गाने गए और नृत्य किये। मराठी के लावणी की प्रस्तुति के साथ, उर्दू शायरियों का दौर चला। अंग्रेजी गीत भी लोगों को खूब भाया। शायरी पर आधारित हास्य नाटक का भी मंचन खास आकर्षण का केंद्र रहा। विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर चीनी भाषा के सहायक प्रोफेसर अनिर्बाण घोष, स्पेनिश भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार, फ्रेंच भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार, जापानी भाषा के सहायक प्रोफेसर सन्मति जैन, सहायक संपादक डॉ. अमित विश्वास, प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर पीयूष प्रताप सिंह, सहायक प्रोफेसर हिमांशु शेखर, संस्कृत भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. लेखराम दन्नाना, डॉ. राजीव रंजन, अंग्रेजी भाषा की सहायक प्रोफेसर मैत्रेयी सहित बड़ी संख्या में कर्मी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

(अनिर्बाण घोष)